IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

f"kk और भूमण्डलीकरण

डॉ पुश्पा वर्मा

सहायक प्रोफेसर

समाज"kास्त्र विभाग

एस एस जे परिसर

अल्मोड़ा उत्तराखडं

डॉ जितेद्रं प्रका"k त्यागी

सहायक प्रोफेसर

राजनीति विज्ञान विभाग

पी एन जी राज0पी0जी0 कॉलेज रामनगर

नैनीताल उत्तराखंड

भाोध सारां"k

भौक्षिक वै"वीकरण का अर्थ f"kक्षा के फैलाव एवं विस्तार से है f"kक्षा के क्षत्रे का विस्तार करना ही भौक्षिक वै"वीकरण है, इसक`अन्तगर्त f"kक्षा की संस्थाओं का`अन्य दे"kां`में स्थापित करने की योजना का निर्माण किया जाता ह`आरै भौक्षिक प्र"kासन या भौक्षिक संगठन की स्थापना की जाती हैं। f"kक्षा के वै"वीकरण द्वारा गुणवत्तापूर्ण f"kक्षा की व्यवस्था करना आसान हो जाता है। वै"वीकरण का अर्थ ह`अपने विचारो, संस्कृति, नैतिक मूल्यों या f"kक्षा का वि"वभर में प्रचार करना। वै"वीकरण को भमूण्डलीकरण के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य अर्थो में अगर हम कह`तो अपने राश्ट्र की विचारधारा का वि"व मे ं प्रचार–प्रसार करना ही वै"वीकरण है। वै"वीकरण से आ"kय तकनीकी, आर्थिक, ज्ञान, नैतिक–मूल्यो ंएवं अपने विचारो ंका सीमा से बाहर विस्तार करना। एक दे"k की f"kक्षा का विस्तार अन्य दे"kां`में भी करना भौक्षिक वैf"vकरण का एक भाग है। सही मायने में केवल इससे जुड़`विचारो ंका ही नही अपित अन्य दे"kां` में अपनी भौक्षिक संस्थाए ंस्थापित करने से भी होता है। संयुक्त राश्ट संघ में निरन्तर f"kक्षा से सम्बन्धित सम्मलेन होते रहते है जिससे f"kक्षा के वै"वीकरण का`लेकर सभी दे"kां`के प्रतिनिधि विचार–विम"kर् करते रहते है। प्रस्तावना

वै"वीकरण का अर्थ है अपने विचारो, संस्कृति, नैतिक–मल्यों या ि"ाक्षा का वि"वभर में प्रचार–प्रसार करना। वै"वीकरण को भमूण्डलीकरण के नाम से भी जाना जाता है। सामान्य अर्थो में समझ सकते है कि अपने राश्ट्र की विचारधारा का वि"व में प्रसार करना ही वै"वीकरण है। वै"वीकरण से आ"ाय तकनीकी, आर्थिक, ज्ञान, नैतिक–मूल्यो एव अपने विचारो का सीमा से बाहर विस्तार करना। वै"वीकरण में एक दे"ा अपनी गतिविधियों से समस्त वि"व का प्रभावित करने की क्षमता रखता है उदाहरण – अगर किसी दे"ा में भवते –अ"वते लागें में असमानता होती हं ैया दे"ा के नागरिकों के मौलिक अधिकारो का हनन होता है तो वह समस्या संयुक्त राश्ट्र संघ में उठाया जाता हं ै जहां सभी दे"ा के प्रतिनिधि होते है जिस कारण उस समस्या का वै"वीकरण हो जाता है अर्थात् अब वह समस्या सिर्फ एक दे"ा की नहीं अपितु वि"व भर की हो जाती गए।

एक दे"ा की ि"ाक्षा का विस्तार अन्य दे"ाों मे भी करना भौक्षिक वै"वीकरण का एक भाग है सही मायने में केवल इससे जुड़ विचारो का ही नहीं अपितु अन्य दे"ाो म अपनी भाक्षिक संस्थाए स्थापित करने से भी होता है संयुक्त राश्ट्र संघ (UND) में निरंवर ि"ाक्षा से सम्बन्धित सम्मलेन होते रहते है जिससे ि"ाक्षा के वै"वीकरण को लेकर सभी दे"ाो के प्रतिनिधि विचार–विम"र् करते रहते है। दे"ा में अन्य दे"ाों की भौक्षिक संस्याए स्थापित करना या अपने दे"ा की संस्याओं का विदे"ाो में स्थापित करना यह भौक्षिक वै"वीकरण का एक उत्तम उदाहरण हं ै इसके द्वारा ि"ाक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि करने का कार्य किया जाता है। यह राश्ट्र के विकास हेतु एक उत्तम साधन का कार्य करती है।

साहित्य का अवलोकन –

दुर्खीम ने ि"ाक्षा को परिभाशित करते हुए कहा कि "ि"ाक्षा एसी गतिविधि है जिसे पुरानी पीढ़ियो उन लोगो के साथ करती है जो सामाजिक जीवन के लिए अभी तैयार नही हुए होते है इसका मख्ुय उद्दे"य बच्चों में उन भाारीरिक, बौद्धिक और नैतिक हालात को जगाना और विकसित करना जिसकी मांग कुल मिलाकर समाज और वह वातावरण जिसमें खासकर उनका रहना तय है। 1944 से पहले इंग्लैण्ड़ में ि"ाक्षा व्यवस्था के मोटे तौर पर मजदूर वर्ग के बच्चो का प्राथमिक ि"ाक्षा, मध्यवर्गीय बच्चो के लिए माध्यमिक ि"ाक्षा तथा उच्च वर्ग के बच्चो के लिए पब्लिक स्कूल की ि"ाक्षा उपलब्ध करा दी थी ।

भाताब्दी के बदलने के भारूआत मे जर्मन समाज"ाास्त्री इमाइल दुर्खीम ने देखा कि ि"ाक्षा के दीर्धमूल्यो का समाज के अभिलम्ब का मानव के परिवहन के रूप में देखा। फांसीसी समाज"ाास्त्री इमाइल दुर्खीम ि"ाक्षा को इस पकार परिभासित करते ह। "समाज केवल तभी जीवित रह सकता है जब कि उस समाज के सदस्यो में पर्याप्त मात्राा में एक रूपता पाई जाती हो।" ि"ाक्षा के द्वारा इस समरूपता का सुदृढ़ कर अपक्षेाकृत स्थायी बनाया जाता है। बच्चा ि"ाक्षा के माध्यम से ही मल्यों, नियमों, व्यवस्थाओं समाज के प्रतिमानो का सीखता है। बच्चा समाज के इतिहास का सीख कर ही समाज से जुड़ता है।

उपकल्पना–

भूमण्डलीकरण का प्रभाव ि"ाक्षा, समाज, तथा सांस्कृतिक स्तरों पर सकारात्मक तथा नकारात्मक पडा़ है। इसक अतिरिक्त प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्च ि"ाक्षा मे सुधार, सामाजिक आर्थिक मे सुधार तथा वि"व के उदारीकरण, व्यापारीकरण तथा निजीकरण में सुधार लान के लिए यह प्रयास किया गया।

अध्ययन क`उद्दे"य–

इसके अन्तगर्त हमने दा`गॉवों का चयनित अध्ययन किया, जा`कि उत्तर प्रद"ा के लखनउ जिल`के सराजेनीनगर विकास खण्ड पहाडपुर गॉव के तथा उत्तराखण्ड के उद्यमसिंह नगर के जिल`के विकास खण्ड रूद्रपरु जवाहर नगर ग्रामीण क्षत्रे का अध्ययन भाोध विधियों के आधार पर किया।

1. राश्ट्रीय एवं अन्तर्राश्ट्रीय साक्षरता की स्थिति का प्रभाव ज्ञात करना।
2. दे"ा की ि"ाक्षा नीति पर भमूण्डलीकरण का प्रभाव ज्ञात करना।
3. आधुनिक ि"ाक्षा नीति द्वारा ग्रामीण ि"ाक्षा का विकास
4. भमूण्डलीकरण से दे"ा और विदे"ा की ि"ाक्षानीति पर पर पढ़ने वाले प्रभाव का`ज्ञात करना।

भााधे प्रक्रिया– इस अध्ययन मे ंअन्वेशणात्मक व वर्णानात्मक विधि का प्रयागे किया गया है।

निद"ार्न– प्रस्तुत अध्ययन में लखनऊ जिल`के पहाड़पुर गॉव तथा उद्यमसिंह नगर के जवाहरनगर गॉव का अध्ययन दैव निद"ार्न के लॉटरी विधि से किया गया है।

सारिणी संख्या–1.1

उत्तरदाताओं के विद्यालय मे ं6 वर्श से 14 वर्श के बच्चो ंकी नि:"ाुल्क ि"ाक्षा की स्थिति

उत्तरदाताओं की संख्या

स्थिति	उत्तर प्रदे"ा	उत्तरांचल	यागे
हॉ	164(82.00)	190(95.00)	354(88.50)
न्हीं	36(18.00)	10(5.00)	46(11.50)
यागे	200(50.00)	200(50.00)	400(100.00)

सारिणी संख्या 1.1 में उत्तरदाताओ ंके अनुसार विद्यालयों में 6 वर्श से 14 वर्श के बच्चो की नि:"ाुल्क ि"ाक्षा की व्यवस्था की स्थिति को द"ार्ाया गया है। सारिणी से स्पश्ट है कि सर्वाधिक 88.50 प्रति"ात उत्तरदाताओ ं के अनुसार जिसमे 82 प्रति"ात उत्तर प्रदे"ा में तथा 95 प्रति"ात उत्तराखण्ड मे ं6 वर्श से 14 वर्श के बच्चो ं के लिए नि:"ाुल्क ि"ाक्षा की व्यवस्था है तथा 11.50 प्रति"ात जिसमें 8 प्रति"ात उत्तर प्रदे"ा तथा 5 प्रति"ात उत्तराखण्ड के उत्तरदाताओं के अनुसार 6 वर्श से 14 वर्श के बच्चो ंके लिए नि:"ाुल्क ि"ाक्षा व्यवस्था नहीं जिससे है जिससे स्पश्ट हातेा है कि उन्ह`नि:"ाुल्क ि"ाक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी नहीं हैं।

सारिणी संख्या–1.2

उत्तरदाताओ ंके गॉव में सर्वि"ाक्षा अभियान याजेना के प्रचार प्रसार हानेे की स्थिति

उत्तरदाताओ ंकी संख्या

स्थिति	उत्तर प्रदे"ा	उत्तराखण्ड	यागे
हॉ	193(96.50)	184(92.00)	377(94.25)
नहीं	7(3.50)	16(8.00)	23(5.75)
यागे	200(50.00)	200(50.00)	400(100.00)

सारिणी सं0 1.2 में उत्तरदाताओं के गॉव में सर्वि"ाक्षा अभियान के प्रचार–प्रसार होने की स्थिति का` द"ार्या गया है सारिणी से स्पश्ट है कि अधिक संख्या (94.25 प्रति"ात) उत्तरदाताओं के अनुसार (जिसमे ं96 प्रति"ात उत्तर पद्रे"ा तथा 92 प्रति"ात उत्तराखण्ड में) गॉव में सर्वि"ाक्षा अभियान याजेना का प्रचार पसार अत्यधिक है जब 5.75 प्रति"ात उत्तरदाताओ ं(जिसमें 3.50 प्रति"ात उत्तर प्रद"ा तथा 8 प्रति"ात उत्तराखण्ड में) सर्वि"ाक्षा याजेना का पचार–प्रसार बहतु कम है यह भी कहा जा सकता है कि उन्हे ंजानकारी ही नहीं है।

निश्कर्श–

भौक्षिक वै"वीकरण ि"ाक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि करने का एक उत्तम मार्ग है जिसक द्वारा ि"ाक्षा से जुड़े समस्त पहलुआ`का प्रचार–प्रसार किया जाता ह ैजिससे उस दे"ा का वर्चस्व अन्य दे"ाां`में पड़ता है और उसका विकास अन्य दे"ाां`की तुलना में अधिक होता है। वै"वीकरण एक वि"व स्तरीय प्रक्रिया है आरै इसका सम्बन्ध वि"व की समस्त गतिविधियों से होता है।

प्रस्तुत भाधे में उत्तराखण्ड के उद्यमसिंह नगर के विकास खण्ड रूद्रपरु के जवाहर नगर ग्राम तथा उ0 प0 के लखनऊ जनपद में सराजेनीनगर विकास खण्ड के पहाड़पुर ग्राम का`भाधे के लिए चयन किया गया चयनित ग्रामा`का साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से ऑकड़ो का वर्गीकरण एव ंसारिणीबद्व करने के प"चात् इनका वि"लेशण सांख्यिकीय एवं तार्किक आधार पर करके प्रतिवदेन का स्वरूप दिया गया है। प्रस्तुत भाधे के अन्तगर्त सर्वि"ाक्षा अभियान याजेना तथा 6 वर्श से 14 वर्श तक के बच्चो ंका`ि"ाक्षा नि:"ाुल्क दिया गाया है का वर्णन किया गया हैं।

संदर्भ गंथ्र सूची–

1. गारे एम0एस0 (1990) इंण्डियन एजूके"ान दिल्ली।
2. आर0 रेमेन (2003) ग्लोबललाइजे"ान एण्ड इटस ऑन ह्यूमेन डेवलपमेंट एण्ड एजूके"ान। 3. दुर्खीम ई0 एदयूकाि"ायों ए सोि"यालेॉजी (पेरिस 1922)